समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
	22-9.25	2	5-8

दैनिक भास्कर

हिसार में कृषि मेला • 50 पशुपालकों को 40 हजार रुपए तक की प्रोत्साहन राशि के डमी चेक दिए

मुख्यमंत्री ने 'हर घर छांव-हर घर फल' योजना का शुभारंभ किया, 22 जिलों के 110 गांवों में 55 हजार पौधे बांटे जाएंगे

भास्कर न्यूज | हिसार

सीएम नायब सैनी ने रविवार को हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में कृषि मेले के शुभारंभ किया। उन्होंने कहा, 'किसान कृषि में विविधीकरण अपनाएं और मोटे अनाज की पैदावार को प्राथमिकता दें। औषधीय पौधों, मधुमक्खी पालन, मशरूम उत्पादन, सब्जी, फूल एवं फल की खेती जैसे विकल्प अपनाकर किसान आमदनी को कई गुना बढ़ा सकते हैं'। उन्होंने कहा कि किसानों को बर्बाद फसलों का 15 हजार रुपए प्रति एकड़ मुआवजा दिया जाएगा।

सीएम ने 'हर घर छांव-हर घर फल' योजना का भी शुभारंभ किया। इसके तहत प्रदेश के 22 जिलों के 110 गांवों में 55 हजार फलदार पौधों का निःशुल्क बांटे जाएंगे। सीएम ने 6 व्यक्तियों को पौधे प्रदान किए। इसके अलावा देशी गायों के संरक्षण, विकास और मुर्राह विकास योजना के अंतर्गत 50 पशुपालकों को 40 हजार रुपए तक की प्रोत्साहन राशि के डमी चेक का भी दिए। साथ ही, 75 महिला उद्यमियों को डेयरी स्थापना स्वीकृति पत्र भी प्रदान किए। कार्यक्रम को कृषि मंत्री श्याम सिंह राणा और कृषि एवं किसान कल्याण विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव डॉ. राजा शेखर वुंडरू ने भी संबोधित किया।

हिसार | कृषि क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वाले प्रगतिशील किसानों को सम्मानित करते सीएम नायब सिंह सैनी।

42 प्रगतिशील किसान सम्मानित, प्रत्येक जिले से 2 शामिल

मुख्यमंत्री ने कृषि क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वाले 42 प्रगतिशील किसानों को सम्मानित किया। इनमें जिला करनाल के गांव बुटाना, नीलोखेड़ी से नीरज चौधरी, बलहैड़ा से बिल्लों, कुरुक्षेत्र के भौरसैयदा से मलूक, बीड़ मठाणा से पूजा सैनी, फतेहाबाद के ढाणी मघावली, रतिया से रमेश, बनमन्दोरी, भट्टू से देवकी, झज्जर ग्रामीण से सुंदर सिंह, कासनी से किरण, अम्बाला के हलदारी से शमशेर सैनी, बलाना से रेखा रानी, हिसार के रावलवास खुर्द से कृष्ण, खांडा खेड़ी से नीरू, आदमपुर से दलीप सिंह, सिवानी से निर्मला बादल, रोहतक के भाली आनंदपुर से जय भगवान, लाखन माजरा से सुंदर देवी, पानीपत के हथवाला से नीरज त्यागी, पलड़ी से सुमन, रेवाड़ी के गांव मसानी से दयाचंद यादव, खिजुरी से कविता, सोनीपत के गांव मोई माजरी से जोगेन्दर राणा व लहरारा से पूनम शामिल हैं।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक भास्कर	22-9-25	5	3-4

एचएयू कृषि मेले में उन्नत फसलों ने लुभाया

हिसार | चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय मेला ग्राउंड में 2 दिवसीय रबी कृषि मेला रविवार से शुरू हुआ। मेले में बाजरा की सीट्टी को देखते हुए किसान।

• एचएयू के मेले से बीज खरीदकर ले जाते हुए किसान।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक भास्कर	22-9-25	3	2-4

एचएयू में कृषि मेला • पहले दिन करीब 72 हजार किसान प्रदर्शनी देखने पहुंचे

चार साल में 44 किस्में विकसित कीं : प्रो. काम्बोज

भास्कर न्यूज | हिसार

एचएयू ने पिछले 4 वर्षों के दौरान विभिन्न फसलों की 44 किस्में विकसित की हैं। इनमें विशेष तौर पर गेहूं, सरसों एवं चारा फसलों की कम पानी में अधिक उत्पादन देने वाली किस्में शामिल हैं। एचएयू द्वारा विकसित की गई उन्नत किस्मों की मांग हरियाणा के साथ अन्य राज्यों में भी बढ़ती जा रही है। यह बात एचएयू कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज ने कृषि मेले के उद्घाटन अवसर पर कहीं।

उन्होंने गन्ने की अधिक उत्पादन देने वाली सीओएच 176 व सीओएच 188 एवं धान की कम अवधि की किस्म एचकेआर 49 के बारे में जानकारी दी। एचएयू प्रति वर्ष करीब 25 हजार क्विंटल उन्नत किस्मों का बीज किसानों को उपलब्ध करवाता है व अन्य बीज बनाने वाली संस्थाओं को बीज उपलब्ध करवाता है।

एचएयू में दो दिवसीय कृषि मेले के पहले दिन करीब 72 हजार से अधिक किसान पहुंचे। किसानों ने मेले में उन्नत किस्म के बीजों, कृषि विधियों, सिंचाई यंत्रों, कृषि मशीनरी आदि की जानकारी ली। किसानों ने गेहूं, जौ, सरसों, चना, मेथी, मसूर, बरसीम, तथा जई व उन्नत किस्मों के करीब 1 करोड़ 14 लाख रुपए के बीज खरीदे। मेले में 44 हजार 750 रुपए के कृषि साहित्य की बिक्री हुई। सब्जी व बागवानी फसलों के बीजों की एक लाख 60 हजार रुपए की बिक्री हुई। किसानों ने मेले में मिट्टी व पानी जांच सेवा का लाभ उठाते हुए मिट्टी तथा पानी के 246 नमूनों की जांच करवाई।

हिसार | एचएयू कृषि मेले का शुभारंभ करते हुए सीएम नायब सिंह सैनी, कृषि मंत्री श्याम सिंह राणा, कैबिनेट मंत्री रणबीर गंगवा, हिसार की विधायक सावित्री जिंदल, एचएयू वीसी प्रो. बीआर कांबोज।

दो गर्ल्स हॉस्टल का उद्घाटन, 327 छात्राओं के ठहरने की सुविधा होगी

एचएयू में मुख्यमंत्री ने विश्वविद्यालय परिसर में छात्राओं को बेहतर आवासीय सुविधा उपलब्ध करवाने के लिए नवनिर्मित कल्पना चावला एवं देवी अहिल्याबाई होल्कर गर्ल्स हॉस्टल का उद्घाटन किया। इन हॉस्टलों में 327 छात्राओं के रहने के लिए आधुनिक स्तर की मूलभूत सुविधाएं सुलभ करवाई गई हैं। इन छात्रावासों में डाइनिंग हॉल, किचन, स्टोर, रीडिंग रूम, जिम रूम तथा कॉमन हाल आदि का निर्माण किया गया है। इसके अतिरिक्त मुख्यमंत्री ने दतोपंत थंगड़ी कृषि उद्यमिता स्थल (मेला ग्राउंड) का भी उद्घाटन किया। ग्रीन ग्रास कारपेट एवं सभी प्रकार की सुविधाओं से सुसज्जित इस मेला ग्राउंड के निर्माण कार्य पर एक करोड़ 10 लाख रुपए की धनराशि खर्च की गई है। इस अवसर पर विधायक विनोद भ्याना, कृषि एवं किसान कल्याण विभाग के प्रधान सचिव पंकज अग्रवाल, पूर्व मंत्री कमल गुप्ता, मेयर प्रवीण पोपली, भाजपा जिला अध्यक्ष आशा खेदड़, अशोक सैनी भी उपस्थित रहे।

धान की खरीद 1 अक्टूबर की बजाय 22 सितंबर से की जाएगी : राणा

कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री श्याम सिंह राणा ने कहा कि भारत कृषि प्रधान देश है और किसानों की मेहनत से ही देश की अर्थव्यवस्था सुदृढ़ होती है। इसी उद्देश्य से देशभर में कृषि पखवाड़ा मनाया जा रहा है, जिसके तहत प्रदेशभर के गांवों में जाकर किसानों को उन्नत कृषि तकनीक, जैविक व प्राकृतिक खेती और बागवानी, पशुपालन एवं मत्स्य पालन के बारे में जागरूक किया जाएगा। हरियाणा सरकार ने धान खरीद 1 अक्टूबर की बजाय 22 सितंबर से करने की घोषणा की है, ताकि किसानों को समय पर उनकी उपज का लाभ मिल सके। इस मौके पर कृषि एवं किसान कल्याण विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव डॉ. राजा शेखर वुंडरू ने भी किसानों को संबोधित किया।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय,
हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
	22-9-25	4	4-6

दैनिक जागरण

धान खरीद आज से, सीएम बोले-मैं भी किसान, समझता हूं समस्याएं

जागरण संवाददाता • हिसार : मुख्यमंत्री नायब सैनी ने कहा कि जलभराव से प्रभावित हुई फसलें खराब होने पर 15 हजार रुपये प्रति एकड़ का मुआवजा मिलेगा, क्योंकि वे खुद भी एक किसान हैं, इसलिए किसानों की समस्याओं को समझते हैं। इस बार धान खरीद एक अक्टूबर की बजाय 22 सितंबर से की जाएगी।

मुख्यमंत्री रविवार को हिसार में चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में आयोजित रबी कृषि मेला का शुभारंभ करने पहुंचे थे। मुख्यमंत्री ने स्वयं कृषि मेले में कई स्टालों पर जाकर फसलों व विभिन्न प्रोडक्ट के बारे में जानकारी ली। मेले में करीब 300 स्टालें लगाई गई है। इनमें 200 निजी स्टाल व 75 स्टाल्स कृषि विवि सहित अन्य विभागों ने लगाई है।

मुख्यमंत्री ने 42 प्रगतिशील महिला व पुरुष किसानों को भी जैविक खेती, विविधीकरण खेती के लिए स्मृति चिह्न व छह किसानों को पौधा दे सम्मानित किया। हर घर छांव-हर घर फल योजना का भी शुभारंभ किया। देशी गायों के संरक्षण व मुर्राह विकास योजना के तहत 50 पशुपालकों को सम्मानित किया।

हिसार में चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के मेला ग्राउंड में आयोजित कृषि मेले में किसानों को सम्मानित करते मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी। • जागरण

कांग्रेस राज में कुछ नहीं हुआ, मैं किसानों के साथ खड़ा :

जासं, हिसार : मुख्यमंत्री ने कहा कि कांग्रेस राज में किसानों का हाल बेहाल था। किसानों को चेक के नाम पर कुछ नहीं दिया गया। 10 साल में ही 1,155 करोड़ रुपये किसान को दिया गया था। भाजपा में ऐसा नहीं है। वह खुद किसान हैं। उनके साथ खड़े हैं। इसलिए किसान को किसी प्रकार का नुकसान नहीं होने दिया जाएगा। यह बात मुख्यमंत्री ने कार्यक्रम के बाद पत्रकारों से बातचीत करते हुए कही। इससे पहले हिसार एयरपोर्ट पर एयर-शो, गुरु जंभेश्वर विश्वविद्यालय में प्रादेशिक सड़क उत्थान परियोजना के शुभारंभ के अतिरिक्त हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में आयोजित कृषि मेले में भाग लेने पहुंचे थे। उन्होंने कहा कि कांग्रेस राज में किसानों के दर्द को नहीं समझा गया। उन्हें दो-दो रुपये तक के चेक दिए गए। मैं और मेरी सरकार किसानों के साथ खड़ी है।

कृषि विविधता को अपनाने का किया आह्वान : 75 महिला उद्यमियों को डेयरी स्थापना स्वीकृति पत्र भी प्रदान किए। उन्होंने कहा किसानों को कृषि में विविधीकरण को अपनाना चाहिए। औषधीय पौधों, मशरूम उत्पादन, फूल एवं फल की खेती अपनाकर किसान आमदनी को कई गुना बढ़ा सकते हैं। मुख्यमंत्री ने विवि परिसर में दत्तोपंत ठेंगड़ी कृषि उद्यमिता स्थल का उद्घाटन किया। कल्पना चावला महिला छात्रावास और देवी अहिल्या बाई महिला छात्रावास का भी उद्घाटन किया गया।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय,
हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक ट्रिब्यून	22-9.25	5	3-6

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में पहुंचे सीएम

कृषि मेला किसानों एवं वैज्ञानिकों के संवाद का मुख्य मंच : नायब सैनी

हिसार, 21 सितंबर (हप्र)

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय को देश का गौरव बताते हुए कहा कि कृषि मेला किसानों और वैज्ञानिकों के बीच संवाद का एक मंच है। उन्होंने कृषि मेले को ज्ञान का खजाना बताते हुए किसानों से कहा कि वे यहां कृषि प्रदर्शनी में प्रदर्शित की जा रही कृषि की नवीनतम तकनीकों को अपने खेतों में जाकर अवश्य अपनाएं ताकि कम लागत में अधिक पैदावार हासिल कर सकें।

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी विश्वविद्यालय के मेला ग्राउंड में आयोजित कृषि औद्योगिक प्रदर्शनी का उद्घाटन एवं अवलोकन करने के उपरांत किसानों एवं कृषि वैज्ञानिकों को संबोधित कर रहे थे।

हिसार में रविवार को मेला परिसर में किसानों के साथ ट्रैक्टर का अवलोकन करते मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी। -हप्र

मुख्यमंत्री ने हर घर छांव - हर घर फल योजना का भी शुभारंभ किया। इस योजना के तहत प्रदेश के 22 जिलों के 110 गांवों में फलदार पौधों का निशुल्क वितरण किया जाएगा। इस अवसर पर लोक निर्माण मंत्री रणबीर गंगवा, विधायक रणधीर सिंह पनिहार, सावित्री जिंदल, विनोद भ्याना, मत्स्य पालन विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव डॉ. राजा शेखर वुंडरू, विवि के विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. बलवान सिंह मंडल भी उपस्थित थे।

उन्होंने कहा कि खेती का हर कदम प्राकृतिक संतुलन के साथ आगे बढ़ाना होगा ताकि लोगों को जहर मुक्त एवं गुणवत्ता से भरपूर खाद्यान्न उपलब्ध कराया जा सके।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश में नकली बीज एवं कीटनाशकों की बिक्री पर अंकुश लगाने के लिए कानून बनाया गया है। राज्य सरकार किसानों के साथ खड़ी है।

कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज ने मेले में सभी का स्वागत करते हुए कहा कि हकृवि द्वारा विकसित की गई उन्नत किस्मों की मांग हरियाणा के साथ अन्य राज्यों में भी बढती जा रही है।

विभिन्न परियोजनाओं का उद्घाटन : सीएम ने विवि परिसर में छात्राओं को बेहतर आवासीय सुविधा उपलब्ध करवाने के लिए नवनिर्मित कल्पना चावला एवं देवी अहिल्याबाई होल्कर गर्ल्स हॉस्टल का उद्घाटन भी किया। इन हॉस्टलों में 327 छात्राओं के रहने के लिए आधुनिक स्तर की मूलभूत सुविधाएं सुलभ करवाई गई हैं। इन छात्रावासों में डाइनिंग हॉल, किचन, स्टोर, रीडिंग रूम, जिम रूम तथा कॉमन हाल आदि का निर्माण किया गया है।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अजीत समाचार	22-9-25	9	7-8

मेले में उन्नत किस्मों के बीजों की खरीद करते हुए किसान।

किसानों ने किया प्रदर्शनी का अवलोकन

हिसार, 21 सितम्बर (विरेन्द्र वर्मा): चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के मेला ग्राउंड में आयोजित दो दिवसीय कृषि मेले के प्रथम दिन लगभग 72 हजार से अधिक किसानों ने प्रदर्शनी का अवलोकन किया। किसानों ने मेले में उन्नत किस्म के बीजों, कृषि विधियों, सिंचाई यंत्रों, कृषि मशीनरी आदि की जानकारी भी हासिल की। मेले में आगामी रबी फसलों के बीजों के लिए किसानों में भारी उत्साह देखा गया जहां किसानों ने गेहूं, जौ, सरसों, चना, मेथी, मसूर, बरसीम, तथा जई व उन्नत किस्मों के लगभग 1 करोड़ 14 लाख रूपए के बीज खरीदे। मेले में 44 हजार 750 रूपए के कृषि साहित्य की बिक्री हुई। सब्जी व बागवानी फसलों के बीजों की एक लाख 60 हजार रूपए की बिक्री हुई। किसानों ने मेले में मिट्टी व पानी जांच सेवा का लाभ उठाते हुए मिट्टी तथा पानी के 246 नमूनों की जांच करवाई। टिश्यू कल्चर तकनीक द्वारा विकसित पौध की बिक्री 22 हजार व जैव उर्वरक के टीके की बिक्री 93 हजार रूपये की हुई। किसानों ने विश्वविद्यालय के अनुसंधान फार्म पर वैज्ञानिकों द्वारा उगाई गई फसलें भी देखीं तथा उनमें प्रयोग की गई प्रौद्योगिकी के साथ-साथ जैविक खेती बारे जानकारी हासिल की।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अजीत समाचार	22-9-25	5	5-8

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने हकृवि में विभिन्न परियोजनाओं का किया उद्घाटन

हिसार, 21 सितम्बर (विरेन्द्र वर्मा): हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में मुख्यमंत्री ने विश्वविद्यालय परिसर में छात्राओं को बेहतर आवासीय सुविधा उपलब्ध करवाने के लिए नवनिर्मित कल्पना चावला एवं देवी अहिल्याबाई होल्कर गर्ल्स हॉस्टल का उद्घाटन किया। इन हॉस्टलों में 327 छात्राओं के रहने के लिए आधुनिक स्तर की मूलभूत सुविधाएं सुलभ करवाई गई हैं। महिला छात्रावासों के निर्माण पर 14.56 लाख रुपए की धनराशि खर्च की गई है। इन छात्रावासों में डाइनिंग हॉल, किचन, स्टोर, रीडिंग रूम, जिम रूम तथा कॉमन हाल आदि का निर्माण किया गया है। इसके अतिरिक्त

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी हकृवि में महिला छात्रावासों का उद्घाटन करते हुए।

मुख्यमंत्री ने दतोपंत थंगड़ी कृषि उद्यमिता स्थल (मेला ग्राउंड) का भी उद्घाटन किया। ग्रीन ग्रास कारपेट एवं सभी प्रकार की सुविधाओं से सुसज्जित इस मेला ग्राउंड के निर्माण कार्य पर एक करोड़ 10 लाख रुपए की धनराशि खर्च की गई है। इस अवसर जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी एवं लोक निर्माण मंत्री रणबीर गंगवा, नलवा से विधायक रणधीर सिंह पनिहार, हिसार से विधायक सावित्री जिंदल, हांसी से विधायक विनोद भ्याना कृषि एवं किसान कल्याण विभाग के प्रधान सचिव पंकज अग्रवाल, पूर्व केबिनेट मंत्री कमल गुप्ता सहित हिसार के मेयर प्रवीण पोपली, भाजपा जिला अध्यक्ष आशा खेदड़, अशोक सैनी भी उपस्थित रहे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अजीत समाचार	22-9-25	5	1-5

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने हिसार में किया रबी कृषि मेले का शुभा

*** मेले में किसानों को नई तकनीकों, फसल विविधीकरण और प्राकृतिक संसाधनों के कुशल प्रबंधन की मिलेगी जानकारी * नस्ल संरक्षण योजना के तहत 50 पशुपालकों को 40 हजार रुपये तक की अनुदान राशि के चैक**

हिसार, 21 सितम्बर (विरेन्द्र वर्मा): हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने किसानों का आह्वान किया कि कृषि में विविधीकरण को अपनाएं तथा मोटे अनाज की पैदावार को प्राथमिकता दें। हरियाणा सरकार हमेशा किसानों के साथ खड़ी है और कृषि को लाभकारी बनाने के लिए लगातार ठोस कदम उठा रही है। मुख्यमंत्री ने किसानों को प्रोत्साहित करते हुए कहा कि औषधीय पौधों, मधुमक्खी पालन, मशरूम उत्पादन, सब्जी, फूल एवं फल की खेती जैसे विकल्प अपनाकर किसान अपनी आमदनी को कई गुना बढ़ा सकते हैं। उन्होंने आश्वस्त किया कि सरकार इस दिशा में किसानों को हर संभव सुविधा और प्रोत्साहन उपलब्ध कराती रहेगी। मुख्यमंत्री रविवार को हिसार में चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित रबी कृषि मेला का शुभारंभ करने उपरांत उपस्थितजन को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री ने हर घर छाँव-हर घर फल योजना का भी शुभारंभ किया। इस योजना के तहत प्रदेश के 22 जिलों के 110 गांवों में 55000 फलदार पौधों का निशुल्क वितरण किया जाएगा। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री ने लगभग 6 व्यक्तियों को पौधे प्रदान किए। इसके अलावा, मुख्यमंत्री ने देशी गायों के संरक्षण और विकास तथा मुर्राह विकास योजना के अंतर्गत 50 पुशपालकों को 40 हजार रुपये तक की प्रोत्साहन राशि के डमी चैक का भी वितरण किया। साथ ही, 75 महिला उद्यमियों को डेयरी स्थापना स्वीकृति पत्र भी प्रदान किए। मुख्यमंत्री ने विश्वविद्यालय परिसर में दत्तोपंत ठेंगड़ी कृषि उद्यमिता स्थल का उद्घाटन किया।
अलावा, कल्पना चावला महिला छात्रावास औ
अहिल्या बाई होलकर महिला छात्रावास का भी
किया गया। नायब सिंह सैनी ने कहा कि यह विश्ववि
पूरे देश के लिए गौरव का
जहां वैज्ञानिक लगातार
विकास और किसानो
समस्याओं पर शोध कर रहे
अवसर पर कैबिनेट मंत्री
सिंह गंगवा, पूर्व कैबिनेट म
कमल गुप्ता, विधायक
जिंदल, विधायक रणधीर
हकृवि के उपकुलपति
बीआर कंबोज, उपायुक्त
यादव, पुलिस अधीक्षक
कुमार सावन, बागवानी विभाग से अर्जुन सैनी, नग
हरिराम, जिला परिषद के चेयरमैन सोनू सिहाग डाटा,
प्रवीण पोपली, पूर्व मंत्री अनूप धानक, हिसार जिल
आशा खेदड़, हांसी जिलाध्यक्ष अशोक सैनी, सहित
गणमान्य नेता एवं नागरिक उपस्थित रहे।

मेले का शुभारंभ करते हुए तथा (दाएं) प्रगतिशील किसानों को सम्मानित करते हुए मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिंसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
हरि भूमि	22-9-25	11	7-8

मेले में पहले दिन 72 हजार किसानों ने की शिरकत

हरिभूमि न्यूज ⏭ हिसार

हकृवि कृषि मेले में किसानों ने उन्नत किस्मों के खरीदे बीज

हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के मेला ग्राउंड में आयोजित दो दिवसीय कृषि मेले के प्रथम दिन लगभग 72 हजार से अधिक किसानों ने प्रदर्शनी का अवलोकन किया। किसानों ने मेले में उन्नत किस्म के बीजों, कृषि विधियों, सिंचाई यंत्रों, कृषि मशीनरी आदि की जानकारी भी हासिल की।

मेले में आगामी रबी फसलों के बीजों के लिए किसानों में भारी उत्साह देखा गया जहां किसानों ने गेहूं, जौ, सरसों, चना, मेथी, मसूर, बरसीम, तथा जई व उन्नत किस्मों के लगभग 1 करोड़ 14 लाख रूपए के बीज खरीदे। मेले में 44 हजार 750 रूपए के कृषि साहित्य की बिक्री हुई। सब्जी व बागवानी फसलों के बीजों की एक लाख 60 हजार रूपए की बिक्री हुई।

हिसार। मेले में उन्नत किस्मों के बीजों की खरीद करते हुए किसान।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अमर उजाला	22-9-25	3	6-8

कृषि में विविधीकरण अपनाएं, मोटे अनाज को दें प्राथमिकता

सीएम नायब सिंह सैनी ने एचएयू में रबी कृषि मेले का किया शुभारंभ

माई सिटी रिपोर्टर

मेले में किसानों को सम्मानित करते मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी। संवाद

हिसार। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने किसानों से आह्वान किया कि वे आय बढ़ाने के लिए कृषि में विविधीकरण को अपनाएं और मोटे अनाज की पैदावार पर जोर दें। औषधीय पौधों, मधुमक्खी पालन, मशरूम उत्पादन, सब्जी, फूल और फल की खेती जैसे विकल्प अपनाकर किसान अपनी आमदनी को कई गुना बढ़ा सकते हैं। सरकार, कृषि वैज्ञानिक और किसान मिलकर यह सुनिश्चित करें कि खेती का हर कदम प्रकृति के संतुलन के साथ बढ़े।

मुख्यमंत्री रविवार को चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय की ओर से आयोजित रबी कृषि मेला का शुभारंभ करने के बाद किसानों को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि पानी की बचत के लिए वर्षा जल संचयन, ड्रिप और स्प्रिंकलर जैसी माइक्रो इरिगेशन तकनीकों पर 85 फीसदी तक सब्सिडी दी जाती है। तालाब बनाने पर भी 85 फीसदी अनुदान उपलब्ध है। सिंचाई के लिए सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट्स से शोधित पानी का उपयोग करने के लिए 27 योजनाएं तैयार की गई हैं, जिनमें से 11 पूरी हो चुकी हैं।

प्राकृतिक खेती ही भविष्य : कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री श्याम सिंह राणा ने कहा कि प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देने के लिए सरकार देशी गाय पर 35 हजार रुपये तक की सब्सिडी और प्रति पशु 4 हजार रुपये की सहायता राशि दे रही है। रासायनिक खेती के दुष्परिणाम अब सामने आ रहे हैं। भूमि की उर्वरता और मानव स्वास्थ्य प्रभावित हो रहा है। यदि खेती की दिशा नहीं बदली गई तो एक अध्ययन के अनुसार 2040 तक कैंसर जैसी बीमारियां हर घर तक पहुंच सकती हैं।

पशुपालकों और महिला उद्यमियों को मिला सम्मान : मुख्यमंत्री ने देशी गायों के संरक्षण और मुर्राह विकास योजना के अंतर्गत 50 पशुपालकों को 40 हजार रुपये तक की प्रोत्साहन राशि के डमी चेक बांटे। 75 महिला उद्यमियों को डेयरी स्थापना स्वीकृति पत्र प्रदान किए। सीएम ने विश्वविद्यालय परिसर में दत्तोपंत ठेंगड़ी कृषि उद्यमिता स्थल और कल्पना चावला महिला छात्रावास व देवी अहिल्या बाई होलकर महिला छात्रावास का उद्घाटन भी किया।

72 हजार किसान पहुंचे कृषि मेले में : कृषि मेले के पहले दिन करीब 72 हजार किसानों ने प्रदर्शनी का अवलोकन किया। किसानों ने 1.14 करोड़ रुपये के बीज और 44,750 रुपये के कृषि साहित्य खरीदे। मिट्टी और पानी के 246 नमूनों की जांच करवाई गई। टिश्यू कल्चर तकनीक से विकसित पौध की 22 हजार रुपये की और जैव उर्वरक के टीके की 93 हजार रुपये की बिक्री हुई।

खेती से निकली कामयाबी की डगर

मैं चार एकड़ में गेहूं और चना प्राकृतिक तरीके से उगाता हूं। एक एकड़ में एक लाख रुपये तक की आय हो जाती है। चने में सुंडी के समय कीटनाशक नहीं डालते, बल्कि फेरोमोन ट्रैप लगाकर प्रबंधन करते हैं। – कृष्ण कुमार, गांव रावलवास, हिसार।

मैं अचार-पापड़ बनाकर स्वरोजगार चलाती हूं। किसी तरह का केमिकल नहीं डालते। सरसों का शुद्ध तेल उपयोग करती हूं। उत्पाद लंबे समय तक खराब नहीं होते। हर महीने 25 से 30 हजार रुपये की बचत हो जाती है। – गीता, फरीदाबाद।

हम धान की सीधी बिजाई करते हैं, जिससे पानी की बचत होती है। एक एकड़ में 10 से 15 हजार रुपये तक का फायदा होता है। साथ ही लाखों-करोड़ों रुपये का पानी बचता है। हम 12 एकड़ में खेती करते हैं और सब्जियों की खेती भी करते हैं। – सुमन पाठक, गांव पलड़ी, इसराना पानीपत।

हम प्राकृतिक खेती और पराली प्रबंधन करते हैं। जीवामृत, घनामृत से उत्पादन अच्छा होने लगा है। आसपास के किसानों को भी प्रेरित कर रहे हैं। – ताराचंद यादव, फरीदाबाद।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ट संख्या	कॉलम
दैनिक जागरण	22-9-25	3	2-7

कृषि मेले में पहुंचे 72 हजार किसान, स्टालों पर लगी भीड़

किसानों ने उन्नत किस्मों के लगभग एक करोड़ 14 लाख रुपए के खरीदें बीज

जागरण संवाददाता • हिसार : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के मेला ग्राउंड में आयोजित दो दिवसीय कृषि मेले के पहले दिन करीब 72 हजार से अधिक किसानों व अन्य लोग मेले में पहुंचे। मेले में करीब 300 स्टाल्स में से 10 लीटर दवा ढोने की क्षमता वाला ड्रोन की स्टाल, मूंग की एक एकड़ में 5 मिनट में बिजाई करने वाले कृषि यंत्र, लेडिज बैग, सूट, वेस्टेज से बनाए सामान, आलू-प्याज की नई किस्तें, धान, गेंहू की नई किस्में, फसलों को बीमारियों को बचाने वाली दवाओं सहित कई तरह के फलों की अलग-अलग वैरायटी की स्टाल्स लगी हुई थी। मेले में एक एकड़ म 5 मिनट म स्प्रे करन वाली कनक-600 मशीन, सफेद प्याज की नई किस्म, 12 फीट की ज्वार, 10 फीट के बाजरे की फसलों को देखने के लिए अधिक भीड़ रही। इस दौरान पार्किंग व्यवस्था नजर नहीं आई। वाहन सड़क के पास पार्क किए गए। मेला स्थल के आसपास भी कई वाहन खड़े थे। मेले के बाहर खाने पीने की स्टाल्स लगाई गई थी। खेतों में एक एकड़ में पांच मिनट में स्प्रे करने वाली कनक-600 मशीन करीब साढ़े 12 लाख की है। एक बार में 40 फीट का एरिया कवर करती है। जर्मन टेक्नोलाजी का 26 हार्स पावर का इंजन है। इस मशीन के लिए 150 बुकिंग मेले में हुई।

किसानों ने मेले में उन्नत किस्म के बीजों, कृषि विधियों, सिंचाई यंत्रों, कृषि मशीनरी आदि की जानकारी भी हासिल की। मेले में आगामी रबी फसलों के बीजों के लिए किसानों में भारी उत्साह देखा गया। जहां किसानों ने गेहूं, जौ, सरसों, चना, मेथी, मसूर, बरसीम, तथा जई व उन्नत किस्मों के लगभग एक करोड़ 14 लाख रुपये के बीज खरीदे। मेले में 44 हजार 750 रुपये के कृषि साहित्य की बिक्री हुई। सब्जी व बागवानी फसलों के बीजों की एक लाख 60 हजार रुपये की बिक्री हुई।

मेले में बच्चों को पढ़ाने के लिए लगाई गए अपोजिट वर्ड की प्रदर्शनी • जागरण

पानी के 246 नमूनों की जांच

किसानों ने मेले में मिट्टी व पानी जांच सेवा का लाभ उठाते हुए मिट्टी तथा पानी के 246 नमूनों की जांच करवाई। टिश्यू कल्चर तकनीक से विकसित पौध की बिक्री 22 हजार व जैव उर्वरक के टीके की बिक्री 93 हजार रुपये हुई। किसानों ने विश्वविद्यालय के अनुसंधान फार्म पर वैज्ञानिकों की उगाई गई फसलें भी देखी। उनमें प्रयोग की गई प्रौद्योगिकी के साथ-साथ जैविक खेती बारे जानकारी हासिल की।

मेले में दिखाया गया यह ड्रोन 10 लीटर दवा को लेकर उड़ान भर सकता है • जागरण

एचएयू पूरे देश के लिए गौरव का केंद्र : नायब सैनी

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि सरकार ने किसान हित में नकली बीज व कीटनाशकों पर रोक लगाने के लिए कानून बनाया है। भावांतर भरपाई योजना के तहत अब तक 29864 किसानों को 135 करोड़ रुपये से अधिक की राशि भावांतर के रूप में दी है। यह सुविधा देने वाला हरियाणा देश का पहला राज्य है। मुख्यमंत्री बागवानी बीमा योजना में 21 फसलें शामिल की गई हैं। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि यह विश्वविद्यालय पूरे देश के लिए गौरव का केंद्र है। जहां वैज्ञानिक लगातार कृषि विकास व किसानों की समस्याओं पर शोध कर रहे हैं। कृषि मेला किसानों व वैज्ञानिकों के बीच संवाद का महत्वपूर्ण मंच है। कहा कि सरकार ने मेरा पानी मेरी विरासत योजना वर्ष 2020 में शुरू की है। इस योजना के तहत वैकल्पिक फसलें लेने या खेत खाली छोड़ने वाले किसानों को 8 हजार रुपये प्रति एकड़ वित्तीय सहायता दी जाती है। इस योजना के तहत दो लाख 20 हजार एकड़ में धान की जगह वैकल्पिक फसलें बोने पर किसानों को 157 करोड़ रुपये की वित्तीय सहायता दी गई है। सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट्स के शोधित पानी को सिंचाई के लिए इस्तेमाल करने की 27 योजनाएं तैयार की हैं। इनमें से 11 पूरी हो चुकी हैं। इनसे सिंचाई के लिए एक स्थायी जल स्रोत मिलेगा, नहरों पर दबाव कम होगा और भूजल का दोहन भी घटेगा।

22 बड़े तालाबों में मछली बीज छोड़े गए

मत्स्य पालन विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव डा. राजा शेखर वुंडरू ने कहा कि कृषि के साथ साथ मछली पालन अपनाकर अतिरिक्त आय कमा सकते हैं। 22 बड़े तालाबों में मछली बीज (फिंगरलिंग्स) छोड़े गए हैं। इसके साथ ही उत्तम ब्रीड स्टाक मछलियों की उपलब्धता के लिए अन्य राज्यों से भी नस्लें मंगाई गई हैं। इस अवसर पर जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी एवं लोक निर्माण मंत्री रणबीर गंगवा, पूर्व कैबिनेट मंत्री डा. कमल गुप्ता, नलवा से विधायक रणधीर सिंह पनिहार, हिसार से विधायक सावित्री जिंदल, हांसी से विधायक विनोद भयाना कृषि एवं किसान कल्याण विभाग के प्रधान सचिव पंकज अग्रवाल, पूर्व कैबिनेट मंत्री कमल गुप्ता सहित हिसार के मेयर प्रवीण पोपली, भाजपा जिला अध्यक्ष आशा खेदड़ उपस्थित रहे।

विवि की उन्नत किस्मों की मांग पूरे देश में बढ़ती जा रही है : प्रो. बीआर काम्बोज

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज ने कहा कि विश्वविद्यालय में बीते 4 वर्षों में विभिन्न फसलों की 44 किस्में विकसित की गई हैं। जिनमें विशेष तौर पर गेहूं, सरसों एवं चारा फसलों की कम पानी में अधिक उत्पादन देने वाली किस्में शामिल हैं। हकृवि की विकसित की गई उन्नत किस्मों की मांग हरियाणा के साथ अन्य राज्यों में भी बढ़ती जा रही है। विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों की नवीनतम तकनीकों एवं शोध कार्यों से किसान अन्नदाता से उद्यमी बनने की ओर अग्रसर हो रहे हैं। गन्ने की अधिक उत्पादन देने वाली सीओएच 176 व सीओएच 188 एवं धान की कम अवधि की किस्म एचकेआर 49 के बारे में विस्तार से जानकारी दी।

20 साल पहले शुरू की थी मिश्रित खेती एक एकड़ में प्रतिवर्ष 4 लाख की कमाई

ब्रेन हेमरेज से पिता की मौत के बाद 10वीं कक्षा में पढ़ाई छोड़कर अपने दादा के साथ खेती करने लगे नीरज

जागरण संवाददाता • हिसार : पानीपत के हथवाला गांव के रहने वाले नीरज त्यागी सहित 42 किसानों को मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने रविवार को शुरू हुए एचएयू के कृषि मेले में सम्मानित किया।

नीरज ने बताया कि वह मिश्रित खेती करते है। करीब 20 साल से मिश्रित खेती करते आ रहे हैं। जब वह 8 साल के थे तो उसके पिता की ब्रेन हेमरेज के कारण मौत हो गई थी। वह 10वीं कक्षा के बाद पढ़ाई छोड़कर अपने दादा के साथ खेती करने लगा था। पहले परंपरागत खेती में गेहूं व धान ही बोते थे। नीरज ने बताया कि उसके पास पानीपत के कृषि विज्ञान केंद्र से वैज्ञानिक आते रहते थे। वे उसे बताते थे कि सब्जी को मिश्रित तरीके से बोने पर अच्छी पैदावार हो जाती है। उसने उनकी बात मानकर पहली बार में 7 से 8 एकड़ में मिश्रित खेती शुरू की। उस समय आलू, घीया, तरबूज व खरबूजा बोया था। इसके बाद वैज्ञानिकों के समझाने पर सलाद पत्ता, रंगीन गोभी, करेला, खीरा, मशरूम की खेती भी करने लगा।

नीरज (दाएं) अपने अन्य साथी के साथ।

एक एकड़ में 4 लाख तक की आमदनी

नीरज ने बताया कि वह एक एकड़ में 4 फसलें निकालने पर तीन से चार लाख रुपये प्रतिवर्ष कमाई कर लेता है। एक सब्जी की फसल से ही चार फसलों की लागत निकल जाती है। नीरज त्यागी को मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी को स्मृति चिन्ह, चद्दर व सर्टीफिकेट देकर सम्मानित किया। नीरज ने बताया कि मेले में फसलों की प्रदर्शनी लगाई हुई थी। उसमें हल्दी की फसल पर भी सर्टीफिकेट दिया गया है। हल्दी को आर्गेनिक तरीके से उगाकर अच्छी पैदावार हासिल की है। नीरज के साथ मेले में जींद से संदीप को प्राकृतिक खेती के लिए, पानीपत के पत्लड़ी से सुमन को, सिरसा से गुरदीप को मुख्यमंत्री ने सम्मानित किया।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
गुड़गांव मेल	21.9.2025	--	--

हरियाणा में सडक नेटवर्क को मिलेगी मजबूती, मुख्यमंत्री ने प्रादेशिक सड़क उत्थान परियोजना का किया शुभारंभ

परियोजना के तहत चालू वित्त वर्ष में 4,827 करोड़ रुपये की लागत से 9,410 किलोमीटर लंबी 4,227 सडकों की मरम्मत एवं उत्थान का होगा काम

सुरेंद्र चार्य/गुड़गांव मेल

हिसार, 20 सितंबर। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने आज प्रदेश में सड़क बुनियादी ढांचे को सुदृढ़ करने के उद्देश्य से प्रादेशिक सड़क उत्थान परियोजना का शुभारंभ किया। इस परियोजना के तहत चालू वित्त वर्ष में 4,827 करोड़ रुपये की लागत से 9,410 किलोमीटर लंबाई की 4,227 सड़कों की मरम्मत एवं उत्थान का कार्य किया जाएगा।

जिला हिसार में आयोजित राज्य स्तरीय कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि आज का यह दिन हरियाणा के इंफ्रास्ट्रक्चर विकास में एक स्वर्णिम अध्याय के रूप में दर्ज होने जा रहा है। यह परियोजना आने वाले वर्षों में विकसित भारत-विकसित हरियाणा के निर्माण में मील का पत्थर साबित होगी। यह एक ऐसी परियोजना है, जो ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों के बीच के फासले को कम करेगी, लोगों को बेहतर संपर्क सुविधा देगी तथा प्रदेश की आर्थिक, सामाजिक व व्यावसायिक धारा को और गति देगी। इस परियोजना के तहत आज 410 सड़कों की मरम्मत एवं सुधार कार्य का शुभारंभ हुआ है।

पिछले 11 वर्षों में प्रदेश में 28,651 करोड़ रुपये की लागत से 43,703 किलोमीटर लंबी सड़कों का हुआ सुधार

नायब सिंह सैनी ने कहा कि प्रदेश में पिछले 11 वर्षों में 28,651 करोड़ रुपये की लागत से 43,703 किलोमीटर लंबी सड़कों का सुधार किया है। इसके साथ ही, 2,534 करोड़ रुपये की लागत से 2,417 किलोमीटर लंबी नई सड़कों का निर्माण भी किया है। इसके अलावा, प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के तहत प्रदेश में 1,077 करोड़ रुपये की लागत से 2,432 किलोमीटर लंबी सड़कों का निर्माण किया जा चुका है। प्रदेश में कुल 759 रेलवे क्रॉसिंग हैं। इनमें से 592 मानव संचालित तथा 167 स्वचालित हैं। पिछले 11 वर्षों में लगभग 2 हजार करोड़ रुपये की लागत से 97 रेलवे ऊपरगामी व भूमिगत पुलों का निर्माण करवाया है। इस समय 1,026 करोड़ रुपये की लागत से 47 रेलवे ऊपरगामी व भूमिगत पुलों का निर्माण कार्य प्रगति पर भी है। जबकि, कांग्रेस के 10 वर्ष के कार्यकाल में केवल 51 रेलवे ऊपरगामी व भूमिगत पुलों का निर्माण करवाया गया। मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारी डबल इंजन सरकार ने हरियाणा में 21 नये राष्ट्रीय राजमार्ग स्वीकृत किए हैं। इनमें से 12 राजमार्ग बन चुके हैं। इनके बनने के बाद प्रदेश का कोई भी जिला ऐसा नहीं बचा है, जिसकी कनेक्टिविटी राष्ट्रीय राजमार्गों से न हो। प्रदेश में पिछले 11 वर्षों में 28,582 करोड़ रुपये की लागत से 1,719 किलोमीटर लंबे राष्ट्रीय राजमार्गों का निर्माण किया गया है। जबकि, कांग्रेस के 10 साल के शासनकाल में 1 हजार 713 करोड़ रुपये की लागत से 451 किलोमीटर लंबे राष्ट्रीय राजमार्ग बनाए गए। इतना ही नहीं, यातायात को सुगम बनाने के लिए 27 टोल टैक्स बैरियर हटाने का काम किया है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि वर्षों पुरानी मांग को पूरा करते हुए 844 करोड़ रुपये की लागत से रोहतक-महम-हांसी रेलवे लाईन का निर्माण करवाया गया है। सोनीपत-जींद रेलवे लाइन का निर्माण 713 करोड़ 40 लाख रुपये की लागत से करवाया गया है। रोहतक में देश की पहली एलिवेटेड रेलवे लाइन का निर्माण करवाया है। कुरुक्षेत्र शहर में एलिवेटेड रेलवे लाइन का कार्य 265 करोड़ रुपये की लागत से प्रगति पर है। सोनीपत के बढ़ी में 483 करोड़ 64 लाख रुपये की लागत से रेल कोच रिपेयर फैक्टरी लगाई है। फरीदाबाद में 580 करोड़ रुपये की लागत से वाई.एम.सी.ए. चौक से बल्लभगढ़ तक व 2,494 करोड़ रुपये की लागत से बदरपुर-मुजेसर मेट्रो और 2,029 करोड़ रुपये की लागत से बहादुरगढ़-मुंडका मेट्रो रेल सेवा शुरू की है। इसी प्रकार, गुरुग्राम में 2,143 करोड़ रुपये की लागत से सिकंदरपुर स्टेशन से सेक्टर-56 तक मेट्रो रेल सेवा शुरू हो चुकी है।

हरियाणा के भविष्य की नींव बनेगी प्रादेशिक सड़क उत्थान परियोजना - रणबीर गंगवा

लोक निर्माण (भवन एवं सड़कें) मंत्री श्री रणबीर गंगवा ने प्रादेशिक सड़क उत्थान परियोजना शुभारंभ करने पर मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि इस परियोजना के तहत पीडब्ल्यूडी विभाग, मार्केटिंग बोर्ड, एचएसवीपी, एचएसआईआईडीसी इत्यादि की सभी सड़कों का उत्थान किया जाएगा। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी का सपना है कि 2047 तक भारत विकसित राष्ट्र बने और इस सपने को साकार करने के लिए मजबूत इंफ्रास्ट्रक्चर बनाना बहुत जरूरी है। यह परियोजना उस विजन को साकार करने की दिशा में एक मील का पत्थर साबित होगी।